अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम ....

102 302(BBF)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थीयों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड – 'क'

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1) (क) 'परदा' कहानी के लेखक हैं– (1)

i) प्रेमचन्द ii) जयशंकर प्रसाद

iii) अमरकान्त iv) यशपाल

(ख) 'चिन्तामणि' किस विधा की रचना है? (1)

i) उपन्यास ii) कहानी

iii) निबन्ध iv) नाटक

(ग) निम्नलिखित में से कौनसी रचना उपन्यास विधा की रचना है? (1)

i) नीड़ का निर्माण फिर ii) बाणभट्ट की आत्मकथा

iii) कलम का सिपाही iv) पथ के साथी

(घ) 'वोल्गा से गंगा' रचना के लेखक हैं– (1)

i) रामवृक्ष बेनीपुरी ii) अज्ञेय

iii) राहुल सांकृत्यायन iv) चतुरसेन शास्त्री

[Turn Over

(ङ) 'वर्ण रत्नाकर' के रचनाकार हैं– (1)

i) मथुरानाथ शुक्ल ii) दौलतराम

iii) ज्योतिरीश्वर ठाकुर iv) रामप्रसाद निरंजनी

2) (क) निम्नलिखित में से कौनसी रचना भारतेंदु युग में लिखी गयी हैं? (1)

i) प्रेम माधुरी ii) कामायनी

iii) निरुपमा iv) युगवाणी

(ख) निम्नलिखित में से कौनसा ग्रन्थ रीतिकाल में लिखा गया है? (1)

i) साकेत ii) उर्वशी

iii) सूरसागर iv) बिहारी सतसई

(ग) 'वैदेही वनवास' के रचयिता हैं – (1)

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरीऔघ'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

iv) मैथिलीशरण गुप्ता

(घ) जयशंकर प्रसाद की किस रचना के नायक 'मनु' हैं? (1)

i) प्रेमपथिक ii) झरना

iii) कामायनी iv) कानन–कुसुम

(ङ) इनमें से कौनसी रचना छायावाद काल में रचित एक शोकगीत हैं? (1)

i) राम की शक्तिपूजा ii) मौन निमंत्रण

iii) सरोज–स्मृति iv) नौका विहार

3) **दिये गये गद्यांश आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।** $5 \times 2 = 10$

रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानवसमुह' कहा है। विचित्र देवा है वहा असुर आये, आर्य आये, शक आये, हूण आये, नाग आये, यक्ष आये, गंधर्व आये – न जाने कितनी मानव–जातियाँ यहाँ आयीं और आज के भारतवर्ष को बनाने में अपना हाथ लगा गईं। जिसे हम हिन्दू रीति–नीति कहते हैं, वे अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्भुत मिश्रण है। एक–एक पशु, एक–एक पक्षी न जाने कितनी स्मृतियों का भार लेकर हमारे सामने उपस्थित हैं। अशोक की भी अपनी स्मृति–परम्परा है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) इस देश की विचित्रता से लेखक का क्या आशय है?

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'महामानव समुद्र' और 'आर्येतर' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जो भी कुछ हम इस संसार में देखते हैं, वह ऊर्जा का ही स्वरुप है। जैसा कि महर्षि अरविंद ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए है, तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) महर्षि अरविन्द के कथन का क्या आशय है?

(घ) लेखक ने अस्तित्व का हिस्सा किसे माना है?

(ङ) भौतिक इच्छाओं के संबंध में लेखक का क्या मत है?

4) **दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 5×2=10

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन
हे अस्थिशेष! तुम अस्थिहीन,
तुम शुद्धबुद्ध आत्मा केवल,
हे चिर पुराण, हे चिर नवीन!
तुम पूर्ण इकाई जीवन की,
जिसमें आसारभव शून्य लीन,
आधार अमर होगी जिस पर
भावी की संस्कृति समासीत।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) कवि इस पंक्तियों में किसकी चर्चा कर रहा है?

(घ) यह पद्यांश किस भावना को प्रकट करता है?

(ङ) अस्थि-हिन का क्या तात्पर्य है?

अथवा

दु:ख की पिछली रजनी बीच,
विकसता सुख का नवल़ प्रभात;
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये है जिसमें सुख गात।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

(ग) दु:ख और सुख की तुलना किससे की गयी है?

(घ) पद्यांश में श्रद्धा किसको प्रेरणा दे रही है?

(ङ) 'नवल' और 'गात' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5) **(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा अधिकतम -80 शब्द)** 3+2=5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) जैनेन्द्र कुमार

iii) जी.सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा अधिकतम -80 शब्द) 3+2=5

i) जगन्नाथ दास रत्नाकर

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) मैथिलीशरण गुप्त

6) 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश पर प्रकाश डालिए। (5)
(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

अथवा

'कर्मनाशा' की हार अथवा 'बहादुर' कहानी की कथा वस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
(शब्दसीमा अधिकतम –80 शब्द)

7) **स्व–पठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।**
(शब्द सीमा अधिकतम –80 शब्द) (5)

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अंतिम सर्ग की कथा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्रचित्रण कीजिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्रचित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की संक्षिप्त कथावस्तु लिखिए।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधारपर नमक-सत्यागृह की कथा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

खण्ड – 'ख'

8) **(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।** 2+5=7

आत्मनस्तु वै कामाथ पति: प्रियो भवति। न वा अरे, जायाय: कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। ना वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

हिन्दी: संस्कृतङ्ग्लभाषासु अस्य समान: अधिकार: आसीत्। हिन्दी-हिन्दु हिन्दुस्थानाना मुख्यानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोति। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीन: प्रकाश: उदेति, अत: श्री मालवीय: वाराणस्यां काशी हिन्दू विश्व विद्यालयस्य संस्थापनकरोत्।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, व भ्रातभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धते एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

9) **निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।**

i) ऊँगली टेढ़ी करना। 1+1=2

ii) हवाई किले बनाना।

iii) उल्टी गंगा बहाना।

iv) गूलर का फूल होना।

10) अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

जो अनगढ़ है, जिसमें कोई आकृति नहीं, ऐसे पत्थरों से जीवन को आकृति प्रदान करना, उसमें कलात्मक संवेदना जगाना और प्राण-प्रतिष्ठा करना ही संस्कृति है। वस्तुतः संस्कृति उन गुणों का समुदाय है, जिन्हें अनेक प्रकार की शिक्षा द्वारा अपने प्रयत्न से मनुष्य प्राप्त करता है। संस्कृति का संबंध मुख्यतः मनुष्य की बुद्धि एवं स्वभाव आदि मनोवृत्तियों में हैं। संक्षेप में सांस्कृतिक विशेषताओं का सम्बंध मनुष्य की मनोवृत्तियों से है और जीवन मूल्य भी इनसे संबद्ध रहते है। संस्कृति सामूहिक उल्लास की कलात्मक और मानवीय अभिव्यक्ति है।

i) 'अनगढ़' से क्या आशय है? (1)

ii) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर संस्कृति को कैसे परिभाषित करेंगे? (2)

iii) 'सामूहिक उल्लास' के आशय को स्पष्ट कीजिए। (2)

अथवा

साहित्य का जीवन के साथ गहरा संबंध है। साहित्यकार अपनी पैनी दृष्टि से देखता है और संवेदनशील मन से उसको अभिव्यक्त करता है। चारों ओर देखे गये सत्य ओर भोगे हुए यथार्थ को कभी कल्पना के रंग में रंगकर, तो कभी ज्यों-का-त्यों पाठक के सामने प्रस्तुत कर देता है। साहित्यकार में सौंदर्य को देखने और परखने की अद्भुत शक्ति होती है। साहित्यकार जब समाज को अपने मन की बात सुनाता है, तो साहित्यकार और समाज का संबंध स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का एंक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

ii) साहित्यकार की दृष्टि का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

iii) साहित्य और समाज के संबंध को पारिभाषित करें। (2)

11) (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए ।

i) मंदर-मंदिर (1)

(अ) धीमा - जलाशय (ब) पर्वत - पूजाघर

(स) माँ - खण्डहर (द) वृक्ष - पूजाघर

ii) मनुज-मनोज (1)

(अ) देवता - असुर (ब) गंधर्व - ऋषि

(स) मनुष्य - कामदेव (द) किन्नर - गंधर्व

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए । 1+1=2

i) अक्षत ii) राग

iii) पानी iv) मुद्रा

[Turn Over

(ग) **निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए ।**

i) रास्ता दिखानेवाला - (1)

(अ) सारथी (ब) पथप्रदर्शक

(स) निर्देशक (द) साक्षर

ii) जो बुढ़ा न हो - (1)

(अ) सर्वज्ञ (ब) अजर

(स) स्नातक (द) विज्ञ

(घ) **निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए ।** 1+1=2

i) तुम मेरे से मत बात करो।

ii) घाव में दवा लगाओ ।

iii) कृपया अनुग्रह करने की कृपा करें।

iv) मैं सकुशलपूर्वक हूँ।

12) (क) 'शान्तरस' अथवा 'करुण रस' का स्थायीभाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'सन्देह' अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13) छात्रवृत्ति हेतु खाता खोलने के लिए बैंक के शाखा प्रबन्धक को एक पत्र लिखिए। (6)

अथवा

लिपिक पद पर नियुक्ति हेतु समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए।

14) **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए ।** 2+7=9

i) वर्तमान युग में तकनीक एवं संचार-माध्यमों का महत्व

ii) मेरे प्रिय साहित्यकार

iii) कृषक जीवन की त्रासदी

iv) रामराज्य

v) सांप्रदायिक सद्भाव